एशिया-प्रशांत क्षेत्र में स्कूल से संबंधित लिंग आधारित हिंसा (SRGBV)

एशिया प्रशांत में, कठोर सामाजिक एवं लैंगिक मापदंड के आधार पर, स्कूलों में, आने-जाने के रास्तों में, और स्कूलों के आस-पास हिंसा होती है।

यह क्या है?

यह शारीरिक, यौन और मानसिक हिंसा का रूप लेता है।

शारीरिक दंड | अपशब्द कहना | सताना | शारीरिक हिंसा | यौन हिंसा और उत्पीड़न

एशिया-प्रशांत में लड़कियों के सामाजिक बहिष्कार, यौन और मानसिक हिंसा का सामना करने की संभावना अधिक है जबकि लड़के अधिकतर शारीरिक दंड, सताना और शारीरिक हिंसा के अन्य रूप अनुभव करते हैं। तृत्यपंथी छात्रों पर होने वाली हिंसा की चर्चा और प्रलेखन काफी कम होता है।

यह एक समस्या क्यों है?

सीखने के परिणाम

इसका विशेषतर लड़कियों की स्कूल में भागीदारी, उपलब्धि और निरंतरता पर प्रतिकूल प्रभाव होता है।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

किसी भी अन्य स्थान की तरह, स्कूलों में भी हिंसा शारीरिक, मानसिक और यौन स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

पीढ़ी दर पीढ़ी हिंसा

वे लड़के जो हिंसा देखते या अनुभव करते हैं, उनके वयस्क होने पर, उनके द्वारा उस हिंसा को अपने रिश्तों में इस्तेमाल करने की संभावना अधिक होती है।

इसके लिये आप क्या कर सकते हैं?

स्कूलों में सुरक्षा नीतियों को प्रोत्साहन दें

पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति में लैंगिक समानता और अहिंसा को बढ़ावा दें

समाधान निकालने में युवाओं को भागीदार बनाएं

स्कूलों, घरों और सेवाओं के बीच संबंध सशक्त करें

UNGEI United Nations Girls' Education Initiative

यदि आपने स्कूल से संबंधित लिंग आधारित हिंसा (SRGBV) देखा या अनुभव किया है, तो ऐसे व्यक्ति की मदद लें जिस पर आपको भरोसा हो!

UNITE to END VIOLENCE AGAINST WOMEN

Design by alikecreative.com
TH/DOC/HP2/14/035